



www.agrabharat.in

नई सोच का अखबार

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



वर्ष: 19

अंक: 120

आगरा, रविवार 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2.00 ₹.

दवा फैक्ट्री में रिएक्टर ब्लास्ट होने से पांच मजदूरों की मौत, छह घायल

भरूच, (ए)। गुजरात के भरूच जिले में सिंजली फार्माकेम नाम की दवा फैक्ट्री में रिएक्टर में हुए जोरदार धमाके से पांच मजदूरों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। धमाके के बाद फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव होने से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमों मौके पर पहुंची। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब फैक्ट्री में 15 हजार लीटर क्षमता वाले रिएक्टर में काम चल रहा था। इसी दौरान रिएक्टर में जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि रिएक्टर के टुकड़े उड़कर फैक्ट्री की चारदीवारी के बाहर जा गिरे। धमाके की आवाज करीब 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई देने की बात कही जा रही है। विस्फोट के प्रभाव से फैक्ट्री में



लगी भारी मशीनों और लोहे की चादरों की भी नुकसान पहुंचा। धमाके के बाद उपकरणों के टूटे हिस्से परिसर में बिखर गए। अचानक हुए इस हादसे

से फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारियों के भी चोटिल हो गई।

जहरीली गैस से कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ी

धमाके के तुरंत बाद फैक्ट्री में मिथाइल डाइक्लोराइड (एमडीसी) गैस के रिसाव की सूचना मीडिया रिपोर्ट से सामने आई है। गैस फैलने

से परिसर के अंदर और बाहर धुआं छग गया। वहां मौजूद मजदूरों और अन्य लोगों की आंखों में तेज जलन होने लगी। गैस की चपेट में आने से कई कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, गैस के रिसाव की मात्रा और उसके प्रभाव के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

धमाके की वजह जानने के लिए जांच शुरू

हादसे में पांच लोगों की मौत और छह के घायल होने के बाद फैक्ट्री में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि रिएक्टर में विस्फोट किन कारणों से हुआ और गैस का रिसाव किन परिस्थितियों में हुआ। प्रशासन ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही हादसे की वास्तविक वजह और सुरक्षा संबंधी संभावित चूक की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मालदीव को 30 अरब रुपए की करेंसी

स्वैप सुविधा को भारत ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, (ए)। भारत ने मालदीव सरकार के 30 अरब रुपए की करेंसी स्वैप सुविधा को आगे बढ़ाने के अनुरोध को मंजूरी दे दी है। यह फैसला भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और द्वीपीय देश के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का एक अहम हिस्सा है। यह सुविधा सार्क देशों के लिए करेंसी स्वैप व्यवस्था के ढांचे के तहत दी जा रही है, जिस पर अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान आरबीआई और मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण के बीच हस्ताक्षर किए गए थे।

मीडिया रिपोर्ट केक मुताबिक करेंसी स्वैप व्यवस्था के तहत अगर मालदीव सरकार को रुपए या डॉलर की कमी होती है, तो भारत उसे भारतीय रुपए उपलब्ध करा सकता है ताकि वह अपनी वित्तीय जरूरतों, जैसे सामान खरीदने और जरूरी भुगतान करने, को पूरा कर सके। समझौते की शर्तों के मुताबिक मालदीव को यह रकम बाद में लौटानी होती है। इस सुविधा के तहत 30 अरब रुपए की पहली राशि इस साल 23 अप्रैल को मालदीव सरकार को दी गई थी। 2012 में इस ढांचे की शुरुआत के बाद से, आरबीआई मालदीव को कुल 1.1 अरब डॉलर से ज्यादा की स्वैप सहायता उपलब्ध करा चुका है।

रिपोर्ट के मुताबिक करेंसी स्वैप सुविधा और भारत के निवेश ने मालदीव की वित्तीय स्थिरता को समर्थन देने में अहम भूमिका निभाई है। यह ताजा फैसला मालदीव के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के भारत के व्यापक प्रयासों के बीच आया है। बयान में कहा गया है कि भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और उसके महासागर विजन में मालदीव का विशेष स्थान है, जो क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति को बढ़ावा देता है। भारत, मालदीव के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोलकाता पर समुद्र में डूबने का खतरा, थाइड्स ग्लेशियर बना चिंता का कारण

कोलकाता (ए)। अंटार्कटिका में स्थित थ्वाइट्स ग्लेशियर के तेजी से पिघलने से दुनिया के समुद्रों का जलस्तर बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और नासा की जेट प्रोपल्शन लैबोरेटरी के शोधकर्ताओं के नए अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2100 तक यह ग्लेशियर वैश्विक समुद्र स्तर में लगभग 30 मिलीमीटर यानी 1.2 इंच की वृद्धि कर सकता है। यह अनुमान पहले के आकलनों से लगभग दोगुना है।

एशिया के पांच बड़े शहरों पर संकट समुद्र का जलस्तर बढ़ने से एशिया के कई तटीय शहरों और नदी डेल्टा क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। इनमें भारत का कोलकाता, चीन का शंघाई, बांग्लादेश की राजधानी ढाका, थाईलैंड का बैंकॉक और फिलीपींस की राजधानी मनीला प्रमुख हैं। इन शहरों में बड़ी आबादी रहती है। समुद्र के बढ़ते जलस्तर से निचले इलाकों में जलभराव, तटीय कटाव और बाढ़ की समस्या गंभीर हो सकती है।

गर्म समुद्री पानी से तेजी से पिघल रही बर्फ

शोधकर्ताओं के मुताबिक, थ्वाइट्स ग्लेशियर के निचले हिस्से में गर्म समुद्री पानी पहुंचने से बर्फ तेजी से पिघल रही है। ग्लेशियर के समुद्र से जुड़े आधार क्षेत्र में होने वाली इस प्रक्रिया से बर्फ तेजी के साथ पिघलना शुरू हो गई है। वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है, ग्लेशियर का समुद्र तल पर मौजूद सहारा कमजोर पड़ने से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहा है।

हालांकि, रिपोर्ट का अर्थ यह नहीं है, कि उक्त शहर वर्ष 2100 तक पूरी तरह समुद्र में डूब जाएंगे। यह अध्ययन समुद्र के जलस्तर में वृद्धि और उससे जुड़े संभावित खतरों के प्रति एक चेतावनी है।

नर्मदा के जलाशयों में कम पानी, गुजरात और मध्य प्रदेश पर मंडराया जल संकट

भोपाल (ए)। नर्मदा नदी पर बने जलाशयों में पानी की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसका असर मध्य प्रदेश और गुजरात में पेयजल, सिंचाई तथा बिजली उत्पादन पर पड़ना तय है। इस साल मानसून के दौरान बारिश में कमी और अगले साल अल नीनों के संभावित प्रभाव को देखते हुए जल प्रबंधन की चुनौती बढ़ने की आशंका व्यक्त की गई है।

अगले साल कम बारिश की आशंका

मौसम संबंधी आकलनों के अनुसार, अल नीनो की स्थिति 2027 की गर्मियों और मानसून को प्रभावित कर सकती है। अल नीनो के कारण प्रशांत महासागर के तापमान में बदलाव होता है। जिसका असर भारतीय मानसून पर भी पड़ता है। मानसून में कितनी कमी आएगी, इसका सटीक अनुमान अभी निश्चित नहीं है।

पीओके में करीब 500 आतंकवादी भारत में घुसपैठ करने की फिराक में, सेना अलर्ट

नई दिल्ली, (ए)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में करीब 500 आतंकवादी भारत में घुसपैठ करने की फिराक में हैं, जिन्हें पाकिस्तान ड्रोन, नक्शे और सियाचिन में इस्तेमाल होने वाले विशेष गियर मुहैया करा रहा है ताकि बर्फबारी के बावजूद वे भारतीय इलाकों में घुस सकें। यह जानकारी खुफिया रिपोर्टों से मिली। हालांकि, भारतीय सेना पूरी तरह मुस्तैद है और पाकिस्तान के हर नापाक इरादे को नाकाम करने के लिए तैयार है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सुरक्षा बलों को मिली खुफिया जानकारी से पता चलता है कि पाकिस्तान की योजना इन आतंकवादियों को सर्दी शुरू होने से पहले भारत में प्रवेश कराना है, जिससे उन्हें भारी बर्फबारी के दौरान कम कठिनाइयों का सामना करना पड़े। वर्तमान में भारतीय सुरक्षा बल सीमा पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं, जिससे आतंकवादी समूहों के लिए घुसपैठ करना मुश्किल हो रहा है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक इन आतंकवादियों को 3-4 के छोटे-छोटे समूहों में बांटा गया है, ताकि सुरक्षा बलों को उनका पता लगने का खतरा कम हो सके।



इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि लॉन्चपैड्स पर काफी गतिविधियां बढ़ गई हैं क्योंकि पिछले डेढ़ साल में घुसपैठ के कई प्रयास नाकाम हो चुके हैं और सर्दियां नजदीक आ रही हैं। आतंकवादी आमतौर पर सर्दी से पहले घुसपैठ की कोशिश करते हैं, क्योंकि भारी बर्फबारी के बाद रास्ते दुर्गम हो जाते हैं। लॉन्चपैड्स पर बड़ी गतिविधि एक बड़े घुसपैठ अभियान की ओर इशारा करती है, जिसे पाकिस्तान भारत को दहलाने की बड़ी साजिश के तहत अंजाम देना चाहता है। पाकिस्तानी सेना ने जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों

को उंचाई वाले इलाकों के लिए विशेष गियर दिए हैं, जिनमें सियाचिन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ड्रोन का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहा है ताकि रास्तों का नक्शा बनाया जा सके और भारतीय सेना की मूवमेंट पर नजर रखी जा सके। इन खुफिया इनपुट्स के बाद भारतीय सेना पूरी तरह अलर्ट है और हर घुसपैठ को नाकाम करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान की अंदरूनी सुरक्षा संकट, खासकर खैबर पख्तूनख्वा, पीओके और बलूचिस्तान में अशांति, इस जल्दबाजी का एक मुख्य कारण हो सकता है।

क्या सच में चपरासी को 45,000 और इंस्पेक्टर को 1.20 लाख सैलरी मिलेगी

नई दिल्ली (ए)। 8वें वेतन आयोग को लेकर सरकारी कर्मचारियों के बीच वेतन वृद्धि की चर्चाएं तेज हैं। इसी बीच, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सैलरी चार्ट वायरल हो रहा है, जिसमें विभिन्न सरकारी पदों के लिए अनुमानित

मासिक वेतन बताया गया है। इस सूची में चपरासी की सैलरी 45,000 इंस्पेक्टर की 1.20 लाख और वैज्ञानिक की 1.40 लाख रुपये बताई गई है।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए इस चार्ट के अनुसार, विभिन्न सरकारी पदों के लिए अनुमानित

मासिक वेतन इस प्रकार है: शिक्षक 85,000, डॉक्टर 1,30,000, चपरासी 45,000, क्लर्क 50,000, डाकिया 55,000, सब-इंस्पेक्टर 80,000, जूनियर इंजीनियर 92,000, इंस्पेक्टर 1,20,000, आईएस/आईपीएस अधिकारी 1,55,000 और भारत सरकार के सचिव 3,00,000। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये आंकड़े माली मीडिया पर वायरल चार्ट में किए गए

दावे हैं। इन्हें 8वें वेतन आयोग द्वारा घोषित या अनुमोदित वेतन नहीं माना जाना चाहिए।

दरअसल, 8वां वेतन आयोग अभी कर्मचारी संगठनों और पेंशनभोगियों के साथ बैठकें कर उनके सुझाव ले रहा है। इसकी रिपोर्ट मई

महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता,परिवहन भत्ता और अन्य लागू मदों के कारण कर्मचारियों की कुल आय अलग-अलग हो सकती है। इसलिए, केवल पद के नाम के आधार पर किसी कर्मचारी की निश्चित सैलरी बताना सही नहीं होगा।



2027 तक आने की उम्मीद है। 8वें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और पेंशन में संभावित बदलाव को लेकर काफी उम्मीदें हैं, लेकिन किसी कर्मचारी की वास्तविक सैलरी उसके पे लेवल, वर्तमान बेसिक सैलरी, लागू सैलरी स्ट्रक्चर और सरकार द्वारा स्वीकार की जाने वाली अंतिम सिफारिशों पर निर्भर करेगी। इसके अलावा, बेसिक सैलरी और कुल मासिक सैलरी में अंतर होता है।

वेतन आयोग में सैलरी में बढ़ोतरी की उम्मीदें जरूर हैं, लेकिन चपरासी को 45,000, इंस्पेक्टर को 1.20 लाख या सचिव को 3 लाख मासिक सैलरी मिलने का दावा फिलहाल गलत है। सरकारी कर्मचारियों को सोशल मीडिया पर वायरल सैलरी चार्ट के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचना चाहिए और आधिकारिक सूचना का इंतजार करना चाहिए।

कनॉट प्लेस का सेंट्रल पार्क :वर्तमान विवाद और दशकों पुराना इतिहास

नई दिल्ली (ए)। नई दिल्ली का प्रतिष्ठित सेंट्रल पार्क फिर सुर्खियों में है, जब कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने यहां तिरंगा मार्च निकालने का ऐलान किया है। इस ऐलान के बाद दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और कई रूट्स को बंद किया गया है। यह घटनाक्रम दिल्ली के सबसे जाने-माने स्थलों में से एक इस सेंट्रल पार्क के समृद्ध और कम ज्ञात इतिहास को फिर से चर्चा में ले आया है, जो दिल्ली के दिल में स्थित कनॉट प्लेस का एक अभिन्न अंग है। आज जहां हरे-भरे सेंट्रल पार्क में भारत का झंडा शान से लहराता है और इसके चारों ओर कनॉट प्लेस की शानदार इमारतें खड़ी हैं, वहां



एक सदी पहले तस्वीर बिल्कुल अलग थी। 20वीं सदी की शुरुआत में, कनॉट प्लेस और उसके आसपास का पूरा इलाका घना जंगल जैसा था, जिसमें बबूल, रोड़, केर, सांगरी, खजूर जैसे पेड़-पौधे बहुतायत में थे। दूर-दूर तक जयसिंहपुरा और राजा का बाजार जैसे गांव बसे हुए थे और इस जमीन का

मालिकाना हक जयपुर के शासकों के पास था। तब यह स्थान शाहजहांनाबाद (पुरानी दिल्ली) के लोगों के लिए मंगलवार को हनुमान मंदिर के दर्शन करने और जंगलों में तीतर-बटेर का शिकार करने का एक ठिकाना मात्र था। साल 1912 में जब दिल्ली के विस्तार की योजना बनी, तब इन ग्रामीण जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई। इसमें जयसिंहपुरा सबसे बड़ा गांव था, जो जयपुर के राजा सवाई जयसिंह का था और उन्हें मुगल बादशाह मोहम्मद शाह ने दिया था। 10 साल की लंबी कागजी कार्रवाई के बाद, 1925 तक यह पूरा काम हुआ और यहां रहने वाले लोगों को करोड़ों बाम व पहाड़ों जैसी इलाकों में बसाया गया।

